M.A. RURAL DEVELOPMENT

Term-End Examination
June, 2014

MRDE-002 : VOLUNTARY ACTION IN RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

***Note :** Attempt all the five questions. All questions carry equal marks. Answers to question nos. 1 and 2 should not exceed **800 words** each.*

1. Describe the essential characteristics of Voluntary Associations in a democratic society. **20**

OR

Discuss the main sources of funding to voluntary organisations in India.

2. Describe the fundamental aspects of 'Gandhian Approach' to Voluntarism and rural reconstruction in India. **20**

OR

Explain the role of 'Community Based Organisations' (CBOs) in the effective management of natural resources in rural India.

3. Answer ***any two*** of the following questions in about ***400 words*** each : **10x2=20**

(a) Explain the following concepts of weberian approach to social action :

i) Ideal Types; ii) Verstehn

iii) Rationalization

(b) Describe the historical genesis and evolution of voluntary activities.

(c) Discuss the salient features of development experience of Ralegan Siddhi.

4. Attempt ***any four*** of the following in about ***200 words*** each : **5x4=20**

(a) Essential elements of Voluntaristic Theory of Action.

(b) Main characteristics of contemporary Non-Profit organisations.

(c) Human Relations Approach to Administration and Management.

(d) NGOs - Typology based on orientation.

(e) Basic features of CAPART

(f) Tarun Bharat Sangh

5. Write short notes on *any five* of the following : **4x5=20**

(a) Renaissance

(b) Right to freedom of Association

(c) Charismatic Authority

(d) Fund-Raising Plan

(e) Religious Philanthropy

(f) Cooperative Societies

(g) Voluntary Action Cell

(h) Barefoot - College

एम. ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.आर.डी.ई–002 : ग्राम विकास में स्वैच्छिक क्रिया

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न सं.* ***1*** *और* ***2*** *के उत्तर (प्रत्येक)* ***800 शब्दों*** *से अधिक नहीं होना चाहिए।*

1. लोकतांत्रिक समाज में स्वैच्छिक संघो की अनिवार्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **20**

अथवा

भारत में स्वैच्छिक संगठनों के वित्तीयन के प्रमुख स्रोतों की चर्चा कीजिए।

2. भारत में संकल्पवाद और ग्रामीण पुननिर्माण संबंधी 'गांधीवादी दृष्टिकोण' के मूलभूत पक्षों का वर्णन कीजिए। **20**

अथवा

ग्रामीण भारत में प्राकृतिक संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन में 'समुदाय–आधारित संगठनों' की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग ***400 शब्दों*** में) दीजिए : **10x2=20**

(क) वेबर के सामाजिक क्रिया संबंधी दृष्टिकोण की निम्नलिखित अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए :

(1) आदर्श प्ररूप (2) समझना (verstehn)
(3) तर्कसंगतिकरण

(ख) स्वैच्छिक गतिविधियों की ऐतिहासिक उत्पत्ति और विकास का वर्णन कीजिए।

(ग) रालेगाँव सिद्धी के विकास संबंधी अनुभव की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

4. निम्नलिखित में से ***किन्हीं चार*** के उत्तर (प्रत्येक लगभग ***200 शब्दों*** में) दीजिए : **5x4=20**

(क) क्रिया के संकल्पवादी सिद्धांत के अनिवार्य तत्व।

(ख) समकालिन अलाभकारी संगठनों की प्रमुख विशेषताएँ।

(ग) प्रशासन और प्रबंध का मानव व्यवहार दृष्टिकोण।

(घ) गैर–सरकारी संगठनो का अभिविन्यास पर आधारित वर्गीकरण।

(च) कापार्ट की मूलभूत विशेषताएँ।

(छ) तरूण भारत संघ।

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं पाँच*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक लगभग ***100 शब्दों में***) लिखिए : **4x5=20**

(क) पुनर्जागरण

(ख) संघ–निर्माण स्वतंत्रता का अधिकार

(ग) करिश्माई अधिकार

(घ) निधि–संग्रह योजना

(च) धार्मिक परोपकार

(छ) सहकारी समितियाँ

(ज) स्वैच्छिक क्रिया एकक

(झ) बेअरफुट कॉलेज

——— *** ———